vinetur

इटली में वाइन की कीमतें 2% से अधिक गिरीं, उत्पादकों के मार्जिन पर दबाव

Unione Italiana Vini के मुताबिक, ऊर्जा, काँच, परिवहन और पैकेजिंग की लागत बढ़ने के बावजूद मांग स्थिर रही।

बुधवार, 7 अक्टूबर 2026



Unione Italiana Vini, देश के प्रमुख वाइन उद्योग संघ, के बुधवार को उद्धृत नए आंकड़ों के मुताबिक, इटली की वाइनरीज़ के मार्जिन पर दबाव और बढ़ रहा है। खुदरा वाइन कीमतें गिर रही हैं, जबकि उत्पादन और वितरण लागत लगातार बढ़ रही है।

संघ ने कहा कि पिछले साल इटली में उपभोक्ताओं के लिए वाइन की कीमतें 2% से अधिक गिर गईं, जबकि कुल महंगाई 4% से ऊपर बनी रही। इस अंतर के चलते उत्पादकों के लिए अपनी कमाई बचाना और मुश्किल हो रहा है, खासकर इसलिए कि दुकानों में कम कीमतों से बिक्री में कोई उल्लेखनीय बढ़ोतरी नहीं हुई। संघ के अनुसार, मांग मोटे तौर पर स्थिर रही है।

इन परिस्थितियों के मेल से पूरे क्षेत्र पर दबाव बढ़ रहा है। वाइनरीज़ ऊर्जा, गैस, काँच, परिवहन, लॉजिस्टिक्स और पैकेजिंग सामग्री के लिए अधिक भुगतान कर रही हैं, लेकिन उनमें से कई इन बढ़ी हुई लागतों का बोझ उपभोक्ताओं पर डालने में संघर्ष कर रही हैं। जब अंतिम कीमतें बढ़ने के बजाय गिरती हैं, तो इसका सीधा असर उत्पादकों के मार्जिन पर पड़ता है।

इटली में यह स्थिति अहम है, क्योंकि वाइन कोई छोटा-मोटा कारोबार नहीं है। संघ द्वारा उद्धृत आंकड़ों के मुताबिक, यह देश के प्रमुख खाद्य और पेय उद्योगों में से एक है। इससे कुल लगभग 14 अरब यूरो का राजस्व आता है, व्यापार अधिशेष 7 अरब यूरो से अधिक है और इससे जुड़ी गतिविधियों को शामिल करने पर 900,000 से अधिक लोगों को रोजगार मिलता है। इसलिए बिक्री कीमतों और उत्पादन लागतों के बीच लंबे समय तक बना कोई भी असंतुलन न केवल वाइनरीज़ की बैलेंस शीट, बल्कि उत्पादकों, बोतलबंद करने वाली कंपनियों, परिवहन कंपनियों, काँच आपूर्तिकर्ताओं और इस क्षेत्र से जुड़े निर्यातकों को भी प्रभावित कर सकता है।

नवीनतम आंकड़े पेय बाजार की एक व्यापक समस्या की ओर भी इशारा करते हैं। जब वाइन का एक बड़ा उत्पादक देश कम कीमतों को बढ़ी हुई बिक्री में नहीं बदल पाता, तो मात्रा बढ़ाने के बजाय दक्षता, लागत नियंत्रण और आपूर्ति श्रृंखला में बचत पर ध्यान केंद्रित करना पड़ता है। यदि कमजोर उपभोक्ता मांग के कारण कीमतें तय करने की क्षमता सीमित बनी रहती है, तो पैकेजिंग, माल ढुलाई और ऊर्जा जैसे समान इनपुट पर निर्भर पेय उत्पादकों के लिए भी यह व्यापक चिंता बन सकती है।

वाइनरीज़ के लिए काँच अब भी सबसे स्पष्ट दबावों में से एक है, क्योंकि पैकेजिंग के अन्य खर्चों के साथ बोतलों की लागत भी बढ़ी है। लॉजिस्टिक्स पर भी दबाव है ; परिवहन और वितरण की लागत घरेलू बिक्री और निर्यात, दोनों की मुश्किलें बढ़ा रही है। अंगूर के बागों, सेलर और उत्पादन केंद्रों में परिचालन पर ऊर्जा और गैस के बिलों का बोझ बना हुआ है।

यह मुद्दा ऐसे क्षेत्र के लिए खास तौर पर संवेदनशील है, जिसकी इटली के विदेशी व्यापार में अहम भूमिका है। वाइन लंबे समय से देश के सबसे मजबूत कृषि-खाद्य निर्यात क्षेत्रों में से एक रही है। मार्जिन में लगातार कमी से उत्पादकों के लिए प्रचार, नवाचार, स्थिरता परियोजनाओं और बाजार विस्तार में निवेश करना मुश्किल हो सकता है। छोटी वाइनरीज़ पर इसका असर विशेष रूप से अधिक पड़ सकता है, क्योंकि उनके पास लागत बढ़ोतरी का बोझ उठाने या आपूर्तिकर्ताओं से बेहतर शर्तों पर बातचीत करने की गुंजाइश अक्सर कम होती है।

इस पृष्ठभूमि में, उद्योग लागतों पर काबू पाने और वाइन कारोबार की आर्थिक टिकाऊपन की रक्षा के लिए यूरोपीय स्तर पर संरचनात्मक उपायों की मांग कर रहा है। बुधवार को जारी आंकड़ों के साथ संघ ने विस्तृत उपायों का कोई पैकेज पेश नहीं किया, लेकिन उसका संदेश स्पष्ट था : परिचालन लागत बढ़ने और कीमतें कमजोर रहने से मुनाफे पर दबाव बढ़ रहा है, ऐसे में उत्पादकों को व्यापक सहायता की जरूरत है।

नवीनतम आंकड़े बताते हैं कि इटली की वाइनरीज़ की मुख्य समस्या अब केवल महंगाई नहीं, बल्कि कीमतें बढ़ाकर या बिक्री तेज करके बढ़े हुए खर्चों की भरपाई न कर पाना है। मांग लगभग स्थिर है और लागत अब भी ऊंची बनी हुई है। ऐसे में यह क्षेत्र एक ऐसे दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां बैलेंस शीट का दबाव झेलने की क्षमता फसल की गुणवत्ता या निर्यात में बनी प्रतिष्ठा जितनी ही मायने रख सकती है।